

चंबा में बड़ा हादसा टला: एचआरटीसी बस की ब्रेक फेल

चालक की सूझबूझ से बचीं दर्जनों जानें टला बड़ा हादसा, नागरिकों ने सरकार से मांग की है कि चंबा जिले के सभी रूटों पर नई बसें चलाई जाएं

मंजूर पठान | चंबा
समर न्यूज़

हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में सोमवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा टल गया, जब हिमाचल पथ परिवहन निगम की एक बस की अचानक ब्रेक फेल हो गई। बस में सवार स्कूली बच्चों, कॉलेज छात्रों और अन्य यात्रियों की जान चालक की सतर्कता और सूझबूझ के चलते बच गई। यह घटना चंबा-जुमहार मार्ग पर उस समय हुई, जब बस सुबह के समय जुमहार से चंबा की ओर आ रही थी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस जैसे ही एक ढलान वाले हिस्से में पहुंची, चालक को ब्रेक फेल होने का आभास हुआ। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए चालक ने तुरंत निर्णय लिया और बस को सड़क के किनारे सुरक्षित स्थान पर टकरा



दिया, जिससे बस खाई में गिरने से बच गई। अगर चालक समय रहते यह कदम नहीं उठाता, तो एक बड़ा हादसा हो सकता था।

बस में बड़ी संख्या में स्कूली और



कॉलेज के छात्र-छात्राएं सवार थे, जो रोजाना इसी बस के माध्यम से चंबा जिला मुख्यालय पढ़ाई के लिए आते-जाते हैं। हादसे के वक्त बस में मौजूद बच्चों में कुछ समय के

लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया, लेकिन राहत की बात यह रही कि किसी को गंभीर चोट नहीं आई। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी रोष देखने को मिला। लोगों का

आरोप है कि चंबा जिले के विभिन्न रूटों पर लंबे समय से पुरानी और जर्जर बसें चलाई जा रही हैं। कई बार ये बसें रास्ते में खराब होकर खड़ी हो जाती हैं, जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसी खटारा बसें कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकती हैं।

ग्रामीणों और यात्रियों ने राज्य सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि परिवहन विभाग को बार-बार नई बसें उपलब्ध करवाने की मांग की गई है, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

लोगों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही स्थिति में सुधार नहीं किया गया, तो वे धरना-प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होंगे। स्थानीय नागरिकों ने सरकार से मांग की है कि चंबा जिले के सभी रूटों पर नई और सुरक्षित

बसें चलाई जाएं, ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। उनका कहना है कि रोजाना सैकड़ों लोग, खासकर छात्र, इन बसों पर निर्भर हैं और उनकी सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता।

वहीं, चंबा के पुलिस अधीक्षक विजय कुमार सकलानी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि बस की ब्रेक फेल होने के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई।

उन्होंने कहा कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जांच में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है, लेकिन तकनीकी कारणों की गहन जांच की जा रही है। यह घटना एक बार फिर परिवहन व्यवस्था और बसों की तकनीकी स्थिति पर सवाल खड़े करती है, जिस पर समय रहते ध्यान देना आवश्यक है।

भाजपा ने कानून-व्यवस्था पर उठाए सवाल, जांच की मांग की

समर न्यूज़ | शिमला

रोहड़ू उपमंडल के कुलगांव में एक धार्मिक आयोजन के दौरान हुई फायरिंग की घटना ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था को लेकर बहस तेज कर दी है। इस घटना में एक महिला, रितिका (उर्फ गुडिया), की मौत हो गई, जिस पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आ रही हैं। भाजपा के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता राकेश जमवाल ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवार के प्रति संवेदन प्रकट की। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं चिंताजनक हैं और इनसे सार्वजनिक आयोजनों में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े होते हैं। जमवाल ने आरोप लगाया कि धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों में हर्ष फायरिंग की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिन पर प्रभावी नियंत्रण

नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि प्रशासन और पुलिस समय रहते सतर्क रहती, तो ऐसी घटना को रोक जा सकता था। उन्होंने यह भी कहा कि बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी में हथियारों का इस्तेमाल होना सुरक्षा व्यवस्था की कमी को दर्शाता है। साथ ही, अस्पताल तक शव पहुंचाने की व्यवस्था को लेकर भी उन्होंने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए और इसे असंवेदनशील बताया। जमवाल ने कहा कि परिजनों का आक्रोश स्वाभाविक है और मामले की गंभीरता को देखते हुए निष्पक्ष जांच की जानी चाहिए। उन्होंने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाने पर जोर दिया। इस घटना के बाद प्रदेश में कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक सतर्कता को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

औद्योगिक क्षेत्र बाथू-बाथड़ी में 50 की पेमेंट को लेकर युवक की बेरहमी से पिटाई

राकेश | ऊना
समर न्यूज़

औद्योगिक क्षेत्र बाथू-बाथड़ी स्थित एक पेट्रोल पंप पर मानवता को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। यहां मामूली 50 के भुगतान को लेकर एक युवक के साथ पेट्रोल पंप कर्मचारियों द्वारा बेरहमी से मारपीट की गई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके बाद पूरे इलाके में आक्रोश का माहौल बन गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित युवक यूसुफ, जो वार्ड नंबर-2 टाहलीवाल का निवासी है, शनिवार रात बाथड़ी से अपने घर लौट रहा था। रास्ते में वह पेट्रोल भरवाने के लिए एक पेट्रोल पंप पर रुका, जहां उसने 50 का पेट्रोल डलवाया। बताया जा रहा है कि



जब वह ऑनलाइन भुगतान करने लगा तो उसका मोबाइल फोन अचानक बंद हो गया। युवक ने वहां मौजूद कर्मचारियों से फोन चार्ज करने की बात कही ताकि वह

गूगल पे के माध्यम से भुगतान कर सके।पीड़ित के अनुसार, इतनी सी बात पर कर्मचारी भड़क उठे और उसे जबरन पंप के एक कमरे में ले जाकर डंडों और लोहे के प्लास से बुरी तरह पीटा। वायरल वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि युवक पर लगातार हमला किया जा रहा है, जो बेहद अमानवीय और चिंताजनक है।

घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी रोष है और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की जा रही है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया है। वायरल वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा और मामले की गहराई से जांच जारी है।

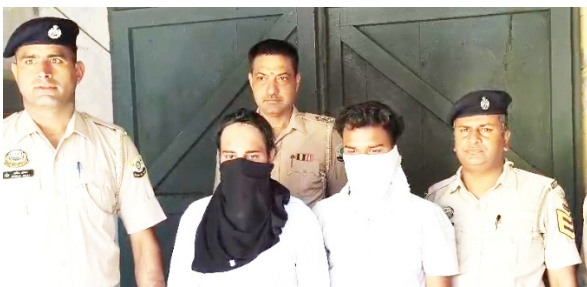
मंजूर पठान | चंबा
समर न्यूज़

हिमाचल प्रदेश के चंबा जिला के चुराह विधानसभा क्षेत्र के भंजराडू इलाके में पिछले एक सप्ताह से तेंदुए की मौजूदगी से लोगों में भारी डर का माहौल बना हुआ है। रिहायशी क्षेत्रों के आसपास बार-बार तेंदुए के देखे जाने की घटनाओं ने स्थानीय निवासियों की चिंता बढ़ा दी है। प्रशासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए वन विभाग और वन्य जीव प्राणी विभाग से लगातार संपर्क किया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पाई है। इसके बाद प्रशासन ने उच्च अधिकारियों को पत्र लिखकर तेंदुए को जल्द पकड़ने की मांग उठाई है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोक जा सके।

स्थानीय लोगों का कहना है कि तेंदुआ रात के समय ज्यादा सक्रिय रहता है, जिससे बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा को लेकर ख़ास चिंता बनी हुई है। लोगों ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की है।वहीं, उपमंडल चुराह के एसडीएम राजेश कुमार जरियाल ने मीडिया से बातचीत में बताया कि पिछले एक सप्ताह से तेंदुआ रिहायशी इलाकों में देखा जा रहा है, जिससे लोगों में दहशत का माहौल है। उन्होंने कहा कि पहले वन मंडल को सूचित किया गया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होने पर अब चीफ कंजरवेटर ऑफ फॉरेस्ट को पत्र लिखा गया है। प्रशासन का प्रयास है कि समय रहते तेंदुए को पकड़ा जाए और किसी भी प्रकार के जानी-माली नुकसान से बचाव सुनिश्चित किया जा सके।

राकेश | ऊना
समर न्यूज़

हिमाचल प्रदेश के ऊना जिला में हाल ही में हुई लूट की वारदातों का पुलिस ने खुलासा करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। ऊना पुलिस ने इन घटनाओं को अंजाम देने वाले तीन आरोपियों में से दो को पंजाब के जालंधर से गिरफ्तार कर लिया है, जबकि तीसरे आरोपी की तलाश जारी है। इस मामले की जानकारी देते हुए एसपी ऊना सचिन हीरामेट ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि तीन नकाबपोश आरोपियों ने जिले में दो अलग-अलग वारदातों को अंजाम दिया था। पहली घटना में आरोपियों ने एक शराब के ठेके को निशाना बनाया और वहां से करीब 35 हजार रुपये की नकदी लूटकर



फरार हो गए। इसके बाद आरोपियों ने बहडाला स्थित एक पेट्रोल पंप को लूटने की कोशिश की। इस दौरान वहां मौजूद कर्मचारियों पर फायरिंग भी की गई, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। हालांकि जांच में सामने आया कि फायरिंग एयर गन से की गई थी।घटनाओं की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत एक विशेष टीम गठित की और जांच शुरू की। तकनीकी और स्थानीय सूचनाओं

के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दो आरोपियों को जालंधर से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अनमोल दत्त (पुत्र विजय कुमार) और सुरजीत सिंह (पुत्र बलवीर सिंह) के रूप में हुई है, जिसमें सुरजीत सिंह को इस पूरे मामले का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है। वहीं तीसरे आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है।

जनगणना-2027 के लिए डिजिटल तैयारी तेज

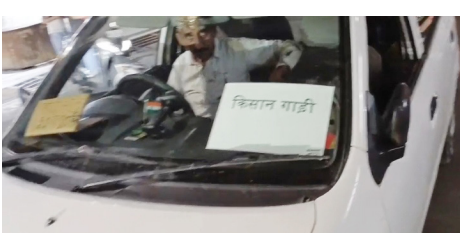
अरविंद | हमीरपुर
समर न्यूज़

हमीरपुर में जनगणना-2027 को सफलतापूर्वक संपन्न करने के उद्देश्य से फील्ड ट्रेनरों की तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। इस दौरान उपायुक्त एवं जिला की प्रधान जनगणना अधिकारी गंधर्वा राठौड़ ने अधिकारियों और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह प्रक्रिया केवल एक औपचारिक कार्य नहीं, बल्कि भविष्य की योजनाओं की नींव है। इसलिए फील्ड स्तर पर एकत्र किए जाने वाले आंकड़ों की शुद्धता और उनकी सही एंट्री अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि इस बार की जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से की जाएगी, जिसमें तीन अलग-अलग डिजिटल प्रक्रियाएं शामिल होंगी। नागरिकों को भी स्व-प्रगणना पोर्टल के माध्यम से अपनी



जानकारी स्वयं ऑनलाइन दर्ज करने की सुविधा दी जाएगी। इस पहल से न केवल प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी, बल्कि समय की भी बचत होगी।उपायुक्त ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि हमीरपुर जिला शिक्षित और जागरूक नागरिकों के लिए जाना जाता है। यदि लोगों को जनगणना के महत्व के बारे में सही जानकारी दी जाए और उन्हें स्वयं डेटा भरने के लिए प्रेरित किया जाए, तो यह कार्य अधिक सरल और प्रभावी हो सकता है। रिविगर को सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जन-जागरूकता अभियानों पर विशेष ध्यान दें।

मंडी में औंधे दाम और किसान सड़क पर कार में भरकर बेच रहा आलू



राकेश | ऊना
समर न्यूज़

हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले में इस साल आलू की खेती किसानों के लिए फायदे के बजाय नुकसान का सौदा बनती जा रही है। भरपूर उत्पादन होने के बावजूद मंडियों में बेहद कम कीमत मिलने से किसान आर्थिक दबाव में हैं। हालात इतने बिगड़ गए हैं कि किसान अब अपनी उपज सीधे ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए खुद बाजार में उतरने को मजबूर हैं। रिविगर को चिंतपूर्णी बाजार में ऐसा ही एक मामला सामने आया, जब स्थानीय किसान बलबीर सैनी अपनी निजी

कार में आलू भरकर बेचने पहुंचे। यह दृश्य लोगों के लिए चर्चा का विषय बन गया। सैनी ने बताया कि उन्होंने करीब 50 कनाल जमीन पर आलू की खेती की थी, जिसमें बीज, खाद और मेहनत समेत लगभग 3 लाख रुपये खर्च हुए। लेकिन मंडी में उन्हें केवल 150 से 200 रुपये प्रति क्विंटल का भाव मिल रहा है, जो लागत के मुकाबले बेहद कम है।उन्होंने कहा कि बिचौलियों को सस्ते दाम पर फसल बेचने के बजाय उन्होंने ख़ुद ग्राहकों तक पहुंचने का फैसला किया, ताकि कम से कम कुछ नुकसान की भरपाई हो सके। सैनी ने सब्जियों के लिए न्यूनतम समर्थन



मूल्य (MSP) जैसी किसी ठोस नीति की कमी पर भी चिंता जताई। उनका कहना है कि अनाज की तरह सब्जियों के लिए कीमत तय न होने से किसान हर साल जोखिम उठाने को मजबूर रहता है।हालांकि बाजार में गाड़ी लगाकर बिक्री करने पर उन्हें कुछ दुकानदारों के विरोध का सामना करना पड़ा। इसके बाद उन्होंने प्रशासन से संपर्क किया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यदि वे किसी के व्यापार में बाधा नहीं डालते, तो उन्हें बिक्री से रोकना नहीं जा सकता।इस घटना ने स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं का ध्यान खींचा, जो किसान की स्थिति पर सहानुभूति जताते नजर आए।

कांगड़ा में कांग्रेस के नेता परगट सिंह का हमला

राहुल | कांगड़ा
समर न्यूज़

कांगड़ा में आयोजित कांग्रेस के प्रशिक्षण शिविर के दौरान पंजाब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और विधायक परगट सिंह ने भाजपा और आम आदमी पार्टी पर तीखा राजनीतिक हमला बोला। मीडिया से बातचीत में उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों दल एक-दूसरे की "बी टीम" की तरह काम कर रहे हैं और कई मामलों में उनके बीच अंदरूनी समझ दिखाई देती है। परगट सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी के कुछ सांसदों का भाजपा में शामिल होना इस बात की ओर इशारा करता है कि दोनों पार्टियों के बीच कहीं न कहीं तालमेल है। उन्होंने पंजाब की मौजूदा कानून-व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि पहले सुरक्षा व्यवस्था पुलिस और खुफिया एजेंसियों के पेशेवर आकलन के आधार पर तय होती थी, लेकिन अब यह पूरी तरह राजनीतिक निर्णय बन गई है।

भाजपा की महिला विरोधी सोच उजागर : कुलदीप पठानिया

अरविंद | हमीरपुर
समर न्यूज़

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष राजीव बिंदल के कथित महिला विरोधी वायरल बयान को लेकर हिमाचल प्रदेश में सियासी घमासान तेज हो गया है। कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे पर खुलकर सामने आ गई है। हिमाचल प्रदेश कृषि विपणन बोर्ड के चेयरमैन कुलदीप पठानिया ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि इस बयान ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि भाजपा की सोच महिलाओं के प्रति नकारात्मक रही है। पत्रकार वार्ता में पठानिया ने कहा कि भाजपा केवल राजनीतिक लाभ के लिए महिलाओं के हितैषी होने का दिखावा करती है, जबकि वास्तविकता इसके बिल्कुल विपरीत है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर के कई नेता पहले भी महिलाओं को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां कर चुके हैं। पठानिया ने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा



महिलाओं के अधिकारों की रक्षा की है और उन्हें मजबूत करने के लिए काम किया है।उन्होंने इतिहास का हवाला देते हुए कहा कि जब देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने महिलाओं को मायके में संपत्ति के अधिकार दिलाने की दिशा में पहल की थी, तब भी भाजपा और उससे जुड़ी विचारधाराओं ने इसका विरोध किया था। उनके अनुसार, यह भाजपा की पुनर्नी मानसिकता को दर्शाता है। इस दौरान पठानिया ने भाजपा प्रदेश प्रवक्ता राजेंद्र राणा और विधायक अशीष शर्मा पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के हमीरपुर से होने के बावजूद इन नेताओं ने पहले उनके नेतृत्व का विरोध किया और बाद में भाजपा के साथ मिलकर सरकार गिराने की कोशिश की।

विरोध सरकार पर सुस्त रवैये का आरोप, अपराध बढ़ने पर जताई चिंता

हिमाचल में बिगड़ी कानून व्यवस्था: जयराम

समर न्यूज़ | शिमला

मंडी में नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कानून व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पूरी तरह निष्क्रिय हो चुकी है और प्रदेश में अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। मीडिया से बातचीत में जयराम ठाकुर ने कहा कि प्रदेश में आए दिन हत्या जैसे जघन्य अपराध सामने आ रहे हैं, जिससे साफ है कि अपराधियों के मन में कानून का कोई डर नहीं रह गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के पास गृह विभाग होने के बावजूद इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल, जो शांति और सौहार्द के लिए जाना जाता था, अब अपराध के बढ़ते ग्राफ के कारण चिंता का विषय



बन गया है। यदि यही स्थिति बनी रही तो पर्यटन और निवेश पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। जयराम ठाकुर ने सरकार से मांग की कि कानून व्यवस्था सुधारने के लिए तुरंत उच्च स्तरीय बैठक बुलाई जाए और पुलिस की सख्ती बढ़ाई जाए। इससे पूर्व नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने पूर्व केंद्रीय संचार मंत्री स्व. पंडित सुखराम के देहावसान के चार वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित 'चवर्ख' कार्यक्रम में शिरकत की और उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। जयराम ठाकुर

ने स्व. पंडित सुखराम की तस्वीर पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें 'संचार क्रांति का मसीहा' बताते हुए कहा कि हिमाचल के दूरदराज और दुर्गम क्षेत्रों में आज जो संचार सुविधाएं सुलभ हैं, वे पंडित सुखराम के दूरदर्शी विजन और दृढ़ इच्छाशक्ति का ही परिणाम हैं। उन्होंने कहा कि जिस दौर में पहाड़ों पर नेटवर्क और संचार की कल्पना करना भी असंभव था, उस समय उन्होंने अपनी प्रशासनिक क्षमता से हिमाचल को यह ऐतिहासिक सौगात दी, जिसे प्रदेश की जनता कभी नहीं भुला पाएगी।

शिमला पहुंचीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का राज्यपाल कविंदर गुप्ता और मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने किया स्वागत



समर न्यूज़ | शिमला : भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सोमवार को शिमला के पास छराबड़ा स्थित कल्याणी हेलिपैड पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल कविंदर गुप्ता और मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने उनका अभिनंदन किया।

